ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-४०
दिनांक- शुक्रवार, ८ जून, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३८.० एवं २७.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८३ सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ७.२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ६.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.७ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.३ एवं दोपहर में ३८.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अनेक स्थानों पर वर्षा हुई। पूसा, समस्तीपुर के मौसमीय वैद्यशाला में १२.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड किया गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(६ से १३ जून, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ६ से १३ जून २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पिछले १-२ दिनों में उत्तर बिहार के अनेक स्थानों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई है। पूर्वानुमानित अवधि में और प्री-मानसून वर्षा होने की संभावना है। पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी एवं दरभंगा जिलों में वर्षा होने का अनुमान अधिक है। अन्य जिलों में भी कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की अच्छी संभावना है।
- तापमान सामान्य के आस-पास रहने का अनुमान है। १३ जून तक अधिकतम तापमान ३४ से ३६ डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन ६ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- खरीफ प्याज की खेती के लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। खरीफ प्याज के लिए एन० -५३, एग्रीफाउण्ड र्डाक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८-१० कि०ग्रा० प्रति हे० रखें।
- ईख की फसल में नाइट्रोजन (३० किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर) एवं फॅुराडान (३३ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर)
- का प्रयोग कर मिट्टी चढ़ाने के उपरान्त सिचॅाई करें। अगर सुटबोरर कीटों का प्रकोप दिखाई पड़े तो सूखे हुए पिहाका को जमीन से २ से ३ इंच उपर खुरपी से काटकर निकाल दें। इस कार्य को १५ जून तक कर लें ।
- लम्बी अवधि वाले धान के राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब-१ वी०पी०टी०-५२०४ एवं सत्यम आदि किस्मों की बुआई बीजस्थली में अतिशीघ्र समपन्न करने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दशांश हिस्सों में बीज गिरायें। बीज को गिराने से पहले १.५ ग्राम बविस्टीन प्रति कि० ग्रा० बीज की दर से उपचारित करें।
- तैयार लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर गोबर की खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें।
- पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा।
- पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।
- उत्तर विहार के लिए अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर २० किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।

आज का अधिकतम तापमानः ३७.७ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.१ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.५ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी